विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम **दिनांक -01 - 09 - 2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक - पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज वर्ण के बारे में अध्ययन करेंगे

वर्ण:

वर्ण उस छोटी ध्वनि को कहते हैं, जिसके टुकड़े नहीं हो सकते। इन्हें अक्षर भी कहते हैं।

वर्गों के भेद-वर्ण दो प्रकार के होते हैं:

1. **स्वर**
2. **व्यंजन**

1. स्वर:

वे वर्ण जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती, स्वर कहलाते हैं।

हिन्दी भाषा में निम्नलिखित 11 स्वर होते हैं

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।

2. व्यंजन:

व्यंजन वर्गों के उच्चारण में स्वरों की सहायता की जाती है। हिन्दी भाषा में व्यंजनों को सात वर्गों में बाँटा गया है तथा ये 33 होते हैं।

क वर्ग – क, ख, ग, घ, ङ

च वर्ग — च, छ, ज, झ, ञ

ट वर्ग – ट, ठ, ड, ढ, ण

त वर्ग – त, थ, द ध, न

प वर्ग – प, फ, ब, भ, म

अन्तस्थ – य, र, ल, व

ऊष्म – श, ष, स, है।

संयुक्त अक्षर:

ये व्यंजन दो व्यंजनों के योग से बनते हैं, अतः ये संयुक्त अक्षर कहलाते हैं। इनकी संख्या चार है- क्ष, त्र, ज्ञ, श्र।।

अयोगवाह:

अं तथा अः अयोगवाह कहलाते हैं।

सन्धि प्रकरण

[सन्धि की परिभाषा तथा स्वर सन्धि के बारे में छात्र कक्षा छह में पढ़ चुके हैं, किन्तु पिछले कार्य को दोहराने के लिए यहाँ पुनः प्रस्तुत किया जा रहा है।]